SHRI K. LAKKAPPA : The fertilizer is supplied to the farmers when they do not require them and when they required them the fertilizer is not available.

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE : Our advice to the State Governments is that they have various points in States where they stockpile the fertilizer well in advance of the season. Some credit facilities have also been made available. We are also giving some loans to the State Governments during this season. But, as I said, these difficulties are coming up because of marginal shortages, which are due to factors beyond the control of my Ministry.

SHRI P. VENKATASUBBAIAH : May I know whether the attention of the Minister has been brought to the fact that due to lack of proper agricultral education about the application of fertilizers there is imbalance in the application of fertilizers with the result that there has been a sort of reaction to agricultural growth? May I know whether the Government have taken precautions to see that proper fertilizers are applied in proper time and in adequate quantity?

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE: The hon. Member is right. This is the direction of our work and there is common understanding between us and the State Governments on this problem.

लेडी हार्डिंग अस्पताल, दिल्ली में दुर्व्यवस्था का समाचार

*1028. श्री धनशाह प्रधान : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 25 अप्रैल, 1972 के दैनिक समाचार पत्र 'नव भारत टाइम्स' के स्तम्भ 'नजर अपनी अपनी' के अन्तर्गत 'लेडी हार्डिंग अस्पताल दिल्ली' में दुर्व्यवस्था सम्बन्धी छपे समाचार की ओर आकर्षित कराया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार उक्त घटना की जांच करा रही है ; और

(ग) यदि हां, तो इस जांच का क्या परिणाम रहा ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The matter is being enquired into.

श्री धनशाह प्रधान : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जांच कब तक पूरी हो जायेगी और दुर्व्यवस्था सम्बन्धी किन-किन शिकायतों के बारे में जांच की जा रही है ?

निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री (श्री उमाशंकर दीक्षित) : पत्र में जो सूचना प्रकाशित हुई है, उसी के सिलसिले में हमने एडीशनल डायरेक्टर-जेनेरल को यह आदेश दिया है कि वह उसकी जांच करें। अस्पताल की तरफ से हमारे पास कोई शिकायत या सूचना नहीं आई थी। यह जरूर सूचना मिली है कि वहां मैटरनिटी के लिए भी और अन्य चिकित्सा के लिए भी बहुत स्त्रियां जाती हैं। जिन दूसरे अस्पतालों में जगह है भी, वहां वे नहीं जाती हैं। शायद नजदीक होने की वजह से, या दूसरी वजहों से, उस अस्पताल में जितने बेड्ज हैं, उनसे दुगनी-तिगुनी स्त्रियां वहां जाती हैं। उनमें से कुछ को फ्लोर पर बिठाया जाता है और कुछ को

बेड्ज़ पर रखा जाता है। इस बारे में अप्रैल में एक मीटिंग हुई थी, जिस में बोर्ड आफ मैनेजमेंट के सामने यह प्रस्ताव रखा गया था कि जब अस्पताल में जगह न हो, तो एडमिशन रेफ़्यूज़ कर दी जाये, किसी को प्रवेश न दिया जाये। लेकिन बोर्ड-आफ़ मैनेजमेंट में सब विचार कर के यह निश्चय किया गया कि किसी को भी प्रवेश से इन्कार नहीं करना है। मुझे तो यह अभी मालूम हुआ है और मुझे प्रबन्ध परिषद् का यह निश्चय ठीक नहीं लगा है। हम इस बारे में जांच करवा रहे हैं। जो भी कार्यवाही उचित होगी, वह हम ज़रूर करेंगे।

श्री मूलचन्द डागा: क्या मिनिस्टर साहब कभी-कभी अस्पताल का सरप्राइज़ विज़िट, सरप्राइज़ चेकिंग, करते हैं या नहीं?

श्री उमाशंकर दीक्षित: मैं और अस्पतालों में गया हूं, लेकिन इसमें नहीं गया हूं।

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय: मंत्री महोदय ने कहा है कि इस अस्पताल में बेड्ज़ की कमी है और इस लिए जो स्त्रियां प्रसूति के लिए जाती हैं, उनको रेफ़्यूज़ करना पड़ता है। क्या मंत्री महोदय इस बात पर विचार कर रहे हैं कि वहां बेड्ज़ की संख्या बढ़ाई जाये, ताकि सब को लाभ हो सके और अधिकाधिक सुविधायें पहुंचाई जा सकें? और यदि बेड्ज़ की संख्या बढ़ाने का स्थान न हो, तो स्थान का विस्तार करेंगे?

श्री उमाशंकर दीक्षित: हम बेड्ज़ की संख्या बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन उसी जगह में बेड्ज़ नहीं बढ़ाये जा सकते हैं। बेड्ज़ के साथ-साथ दूसरी साधन-सामग्री की भी व्यवस्था करनी होगी। या तो उस अस्पताल का एक्सपैंशन करना होगा, या दूसरी जगह यह सब प्रबन्ध करना होगा। केवल बेड्ज़ बढ़ाने से काम नहीं होगा। इस समय तो फ्लोर भरे रहते हैं। जिन व्यक्तियों को केवल विश्राम देने से काम हो सकता है, कभी-कभी उन में से दो-दो को एक बेड पर रखना पड़ता है।

श्री एम० रामगोपाल रेड्डी: मंत्री महोदय ने कहा है कि वह इस अस्पताल के सिवा दूसरे अस्पतालों में गये थे। क्या वह वहां चिकित्सा के लिये गये थे या इन्स्पैक्शन के लिए?

श्री उमाशंकर दीक्षित: चिकित्सा के लिए तो सिर्फ़ वेलिंगडन में गया हूं, लेकिन सफ़दरजंग और इंस्टीटयूट में देखने के लिए गया हूं।

श्री फूलचन्द वर्मा: आम तौर पर देखा गया है कि जब महिलाये इस अस्पताल मे प्रसूति के लिए भर्ती होने के लिए जाती हैं, तो उनके साथ अभद्र व्यवहार होता है और जब वे भर्ती हो जाती हैं, तो उनकी देखरेख नहीं होती है। क्या मंत्री महोदय इस सम्बन्ध में जांच करेंगे?

श्री उमाशंकर दीक्षित: अभद्र व्यवहार की सूचना नहीं है। सूचना यह है कि वहां बहुत अधिक रोगी जाते हैं और अस्पताल की गलती यह है कि वह उन को प्रवेश दे देता है। उसको निर्धारित संख्या से अधिक रोगियों को दाखिल नहीं करना चाहिए। अपर्याप्त साधनों की शिकायत अवश्य है। मैं उसकी जांच ज़रूर कराऊंगा।